Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

"जेड-मोड़ सुरंग" परियोजना

➢ चर्चा में क्यों?

- 13 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कश्मीर और लद्दाख के बीच संपर्क को सुगम बनाने वाली "जेड-मोड़ सुरंग" का उद्घाटन करेंगे।
- "जेड-मोड़ सुरंग" मध्य काश्मीर में हिमालय की ऊँचाई में सुरम्य लेकिन उबड़-खाबड़ अलाके में कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए बनाई गई है।
- 6.4 किलोमीटर लंबी "जेड-मोड़ सुरंग" लोकप्रिय सोनमर्ग स्वस्थ्य रिसॉर्ट को काश्मीर के गांदरबल जिले कंगन शहर से जोड़ता है।
- 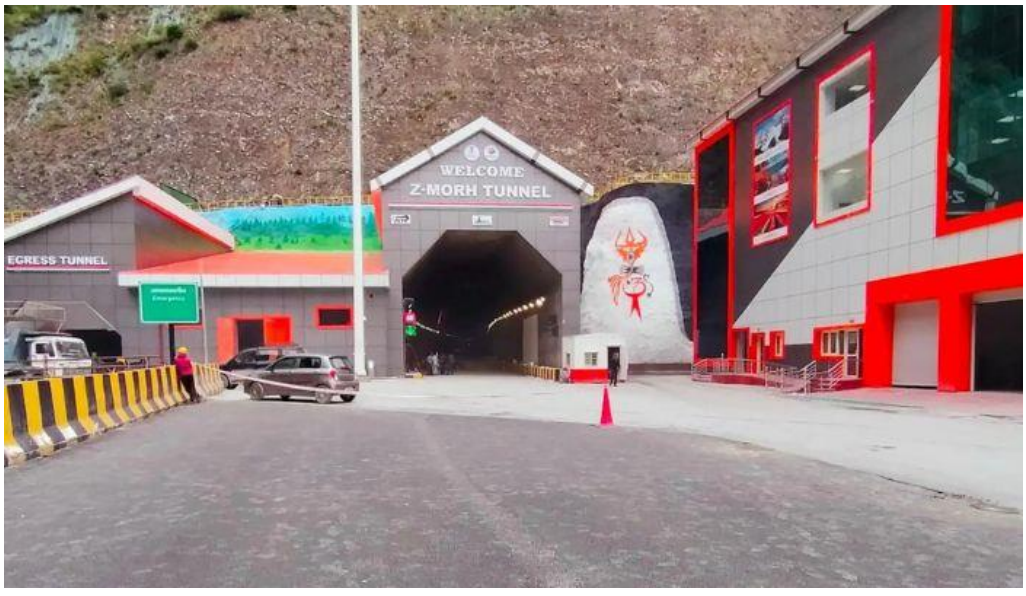

➢ जेड-मोड़ सुरंग" की आवश्यकता-

- ***जिस क्षेत्र में "जेड-मोड़ सुरंग" बनाठ जा रही है वह 8500 फीट से अधिक ऊँचाई पर स्थित है जहाँ सर्दियों के महीने के दौरान भारी बर्फबार और हिमस्खलन का खतरा बना रहता है।
- सर्दियों के मौसम में प्रत्येक वर्ष सोनमर्ग की ओर जाने वाली सड़क भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के कारण बाधित रहता है जिससे यह क्षेत्र काश्मीर के बाकी हिस्सों से कट जाता है जिससे सोनमर्ग की ओर जाने वाले पर्यटक एंव आंगतुको का प्रवाह बाधित हो जाता है।
- ***सोनमर्ग जो अपने आकर्षित करने वाले परिदृश्यों अल्पाइन घास के मैदानों और ग्लेश्यिरों के लिए जाना जाता है पर्यटन पर बहुत अधिक निर्भर है जिसपर सर्दियों के मौसम में आवाजाही प्रभावित होने के कारण बहुत प्रभाव पड़ता है।
- यही सड़क जो काश्मीर को लद्दाख से जोड़ती है भारत के लिए रणनीतिक सैन्य पहुँच के लिए एक प्रमुख धमनी के रूप में कार्य करती है ऐसे में "जेड-मोड़ सुरंग" भारत के रक्षा बुनियादी ढ़ांचे के लिए काफी महत्वपूर्ण हो जाता है।
- अब तक काश्मीर से लद्दाख की शीतकालिन यात्रा अक्सर हवाई मार्गो पर निर्भर करती थी क्योंकि बर्फ से अवरूद्ध होने वाली ये सड़के परिवहन के लिए असुरक्षित थी।
- ***"जेड-मोड़ सुरंग" प्रत्येक मौसम में काश्मीर से लद्दाख की पहुँच प्रदान करेगी जिससे नागरिक और सैन्य दोनो क्षेत्रों को लाभ होगा।

➢ निर्माण में एक दशक

- ***"जेड-मोड़ सुरंग" परियोजना की परिकल्पना मूल रूप से वर्ष 20212 में सीमा सड़क संगठन (BRO- Border Roads Organization) द्वारा की गई थी।
- सीमा सड़क संगठन (BRO) भारत के रक्षा मंत्रालय की एक इकाई है जो सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़को के निर्माण और उसके रख रखाव के लिए जिम्मेदार है।
- प्रारंभ में इस सुरंग के निर्माण का ठेका "टनल वे लिमिटेड" को दिया गया था। लेकिन वित्तीय और प्रशासनिक चुनौतियों के कारण यह परियोजना को "राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढ़ांचा विकास निगम लिमिटेड" (NHIDCL) ने अपने कब्जे में ले लिया, जिसने इस परियोजना को दोबारा टेंडर जारी किया।
- टेंडर के दुसरे दौर में एक भारतीय कंपनी APCO इंफ्राटेक ने बोली लगाकर इस परियोजना का अनुबंध हासिल किया जिसने "APCO-श्री अमरनाथ टनल प्राइवेट लिमिटेड" का गठन कर इस परियोजना को शुरू किया।
- हालांकि इस परियोजना की पूरी होने की तिथि अगस्त 2023 निर्धारित की गई लेकिन कुछ समस्याओं के कारण इसका उद्घाटन फरवरी 2024 में किया जाना प्रस्तावित था।
- लेकिन जम्मू काश्मीर विधानसभा चुनाव के कारण लगे आदर्श संहिता के कारण अंतिम उद्घाटन स्थगित कर दिया गया।
- उपरोक्त विलंब के बावजूद यह परियोजना लगभग पूरी हो चूकि है, जो स्थानीय लोगो, पर्यटको और सैन्य कर्मियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

- "जेड-मोड़ सुरंग" काश्मीर की घाटी को लद्दाख के ठंडे रेगिस्तान से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

➢ सामरिक महत्व-

- ***"जेड-मोड़ सुरंग" व्यापक रूप से काश्मीर लद्दाख से जोड़ने वाली जोजिला सुरंग परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसका उद्देश्य श्रीनगर और लद्दाख के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी स्थापित करना है।
- जबकि पूरे "जेड-मोड़ सुरंग" सोनमर्ग को पूरे साल काश्मीर के बाकी हिस्सो से जोड़ने का काम करेगी।
- ***निर्माणाधीन जोजिला सुरंग परियोजना जो लगभग 12000 फीट की ऊँचाई नर बन रही सोनमर्ग को लद्दाख के द्रास से जोड़ने का काम करेगी।
- "जोजिला सुरंग परियोजना" जिसका निर्माण कार्य दिसंबर 2026 तक पूरा होने की संभावना है श्रीनगर को कारगिल और लेह सहित लद्दाख के रणनीतिक सीमा क्षेत्रों मक हर मौसम में निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।
- "जेड-मोड़ सुरंग" एवं जोजिला सुरंग परियोजना दोनो भारत की रक्षा स्थिति के लिए काफी महत्वपूर्ण है।
- लद्दाख क्षेत्र भारत का पाकिस्तान और चीन दोनों के साथ विवादास्पद सीमाएँ साझा करता है।

- पूर्वी लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिको के बीच 2020 के गतिरोध क बाद दोनो तरफ से सैन्य गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है।
- "जेड-मोड़ सुरंग" भविष्य में जोजिला सुरंग के साथ लद्दाख में चीन और पाकिस्तान के साथ लगी सीमाओं के पास के क्षेत्रों में सैन्य कर्मियों, उपकरणों और अन्य आपूर्ति के लिए हवाई परिवहन पर निर्भरता काफी कम कर देगा।
- वर्तमान में भारतीय सेना लद्दाख की अंतराष्ट्रीय सीमाओं की अग्रिम चौकियो पर पहुँच के लिए हवाई परिवहन पर बहुत अधिक निर्भर करती है।
- हालांकि "जेड-मोड़ सुरंग" द्वारा सक्षम कनेक्टिविटी इस क्षेत्र में भारतीय सेनाओं की हवाई निर्भरता को काफी हद तक कम कर देगी, सैनिको और संसाधनों के परिवहन की अधिक लागत को कम करके प्रभावी और कुशल परिवहन प्रदान करने में मदद करेगी।
- इसके अतिरिक्त "जेड-मोड़ सुरंग" भारतीय सैन्य विमानों के जीवन का विस्तार करने में सहायक होगा जो वर्तमान में लद्दाख के दूर-दराज स्थानों में सैन्यआपूर्ति के लिए कई वर्षो से बोझ उठा रहे है।
- "जेड-मोड़ सुरंग" ऐसे क्षेत्र में जहाँ भू-राजनीतिक तनाव अधिक रहता है विशेष रूप से सियाचीन ग्लेशियर और पाकिस्तान अधिकृत काश्मीर (Pok) की सीमा से लगे "तुरतुक उपक्षेत्र" में भारत को रणनीतिक लाभ प्रदान करने के लिए बेहतर सड़क कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

- इन सुरंगों के माध्यम से भारतीय सेना लद्दाख में पाकिस्तान या चीन के साथ किसी भी संभावित संघर्ष की स्थिति में अधिक तेजी और तार्किक समर्थन के साथ प्रतिक्रिया देने में सक्षम होगी।

➢ पर्यटन और व्यापार के लिए एक आशाजनक भविष्य

- अपने रणनीतिक सैन्य महत्व के अलावे "जेड-मोड़ सुरंग" लद्दाख एवं सोनमर्ग क्षेत्र में महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ लाने के लिए तैयार है।
- सोनमर्ग की स्थानीय अर्थव्यवस्था के मुख्य चालको में पर्यटन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- रिसॉर्ट शहर के रूप में जाने जाने वाला सोनमर्ग जो सर्दियों के कारण बर्फबारी और हिमस्खलनो के कारण सड़को के बंद होने के कारण पर्यटको की आवाजाही बंद होने के कारण प्रभावित रहता है, के लिए "जेड-मोड़ सुरंग" पर्यटको की साल भर की सुलभ आवाजाही के साथ यहाँ की पर्यटन व्यवसायों को पुर्नजीवित करने में मदद करेगी।
- "जेड-मोड़ सुरंग" से काश्मीर और लद्दाख के बीच व्यापार और परिवहन को भी सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- किसान और व्यापारी जो माल परिवहन के लिए मुख्य रूप से श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर निर्भर रहते है उन्हें "जेड-मोड़ सुरंग" बेहतर सड़क सुरक्षा के साथ कम समय में माल परिवहन को सुलभ बनायेगा।
- "जेड-मोड़ सुरंग" के माध्यम से सालो भर आवाजाही के कारण इस क्षेत्र में अधिक निवेश आएगा जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को

बढ़ावा मिलेगा और यहाँ के निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

- "जेड-मोड़ सुरंग" सिर्फ एक आधुनिक इंजीनियरिंग का चमत्कार नहीं होकर एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है जो भारत के सबसे अलग-थलग क्षेत्रों में सुरक्षा, समृद्धि और कनेक्टिविटी लाने का वादा करती है।

प्रश्न 1. "जेड-मोड़ सुरंग" से संबंधित निम्न कथनों पर विचार करके सही विकल्प का चयन करे।

कथन-1 "जेड-मोड़ सुरंग" का निर्माण 8500 फीट की अधिक ऊँचाई पर किया गया है।

कथन-2. "जेड-मोड़ सुरंग" व्यापक रूप से काश्मीर को लद्दाख से जोड़ने वाली जोजिला सुरंग परियोजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जिसका उद्देश्य श्रीनगर और लद्दाख के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी स्थापित करना है।

कथन-3. "जेड-मोड़ सुरंग" सोनमर्ग को सालो भर काश्मीर के बाकी हिस्से से जोड़े रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

कथन-4. **"जेड-मोड़ सुरंग" भविष्य में जोजिला सुरंग के साथ लद्दाख में चीन और पाकिस्तान के साथ लगी सीमाओं के पास के क्षेत्रों में सैन्य कर्मियों, उपकरणों और अन्य आपूर्ति के लिए हवाई परिवहन पर निर्भरता को कम कर देगा।**

A. केवल कथन-1 और 4 सही है।
B. केवल कथन-2 और 3 सही है।
C. चारो कथन सही है।
D. चारो कथन गलत है।

Answer-B

मुख्य परीक्षा- किस प्रकार "जेड-मोड़ सुरंग" भविष्य में जोजिला सुरंग के साथ मिलकर लद्दाख में सैन्य पहुँच और आर्थिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण होगा वर्णन करे।

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806